मल्टीपरपज हॉल, एस्ट्रो टर्फ सहित कई सुविधाओं के लिए प्रस्ताव तैयार

23 करोड़ के प्रोजेक्ट से यूनिवर्सिटी को मिलेगी इंटरनेशनल सुविधाएं

रफी मोहम्मद शेख ■ इंदौर

खेल सुविधाओं के महत्वपूर्ण रोल कारण ए प्लस यूनिवर्सिटी बनी देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में जल्दी ही कई नई खेल सुविधाएं मिलने की संभावनाएं बन रही है। उच्च शिक्षा के साथ खेल मंत्रालय संभाल रहे जीतू पटवारी के निर्देश के बाद यूनिवर्सिटी ने करीब 23 करोड़ रुपए के प्रस्ताव तैयार किए है, जो वर्ल्ड बैंक, खेल विभाग और मध्यप्रदेश शासन की सहायता से पूरे किए जाएंगे। इसमें मल्टीपरपज हॉल, खो-खो व कबड्डी के इनडोर हॉल, हॉकी का एस्ट्रो टर्फ, सिंथेटिक टेनिस कोर्ट, इंडोर शूटिंग रेंज आदि शामिल है। कुछ प्रोजेक्ट खेल मंत्रालय के दूसरे चरण के है, जो पूरे नहीं हो पाए थे। पहले चरण में करीब दस करोड़ रुपए की राशि से सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक और अन्य सुविधाएं जुटाई गई है। अगर यह सुविधाएं मिल जाती है तो यह प्रदेश की एकमात्र और देश की सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सिटीज में से एक होगी जहां पर इंटरनेशनल स्तर की सारी खेल सुविधाएं मौजूद रहेगी। इससे हम इंटरनेशनल स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करवा सकेंगे।

पिछली बार नेक की ए ग्रेड यूनिवर्सिटी बनने के बाद खेल मंत्रालय ने अर्बन स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर स्कीम के अंतर्गत साढ़े 11 करोड़ रुपए की ग्रांट स्वीकृत की थी। इससे यहां पर हॉकी के लिए एस्ट्रो टर्फ, एथलेटिक्स सिंथेटिक ट्रैक और मल्टीपरपज इनडोर हॉल की योजना थी। इसमें पहले चरण में एथलेटिक्स सिंथेटिक ट्रैक बनकर तैयार हो गया है। इसमें फ्लड लाइट और बाउंड्रीवॉल भी बना दी गई है। खेल मंत्रालय ने इस चरण के लिए साढ़े छह करोड़ रुपए स्वीकृत किए थे, लेकिन यूनिवर्सिटी ने इसमें चार करोड़ रुपए की बड़ी राशि अपने पास से मिलाकर यह सुविधाएं तैयार करवाई है।

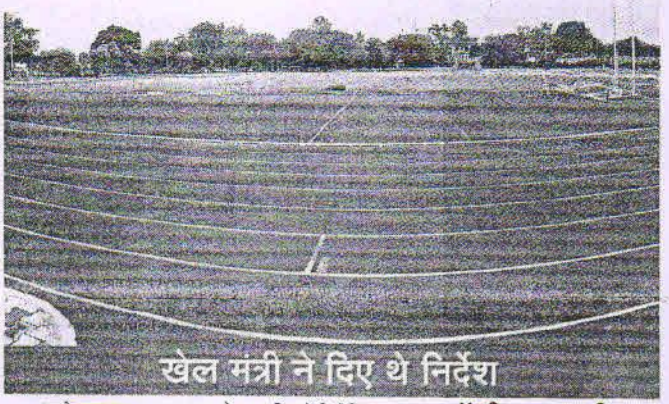

खेल मंत्री ने दिए थे निर्देश

इसके बाद दूसरा चरण शुरू होना था जिसमें सिंथेटिक हॉकी ग्राउंड और इनडोर हॉल बनना था। इस प्रोजेक्ट के लिए भी साढ़े पांच करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे, लेकिन योजना ही खत्म हो जाने से यह शुरू ही नहीं हो पाया है। अब खेल मंत्री जीतू पटवारी ने यूनिवर्सिटी को कई खेल सुविधाएं देने का वादा किया है। इसमें सबसे प्रमुख विभिन्न खेलों के लिए मल्टीपरपज इनडोर हॉल और हॉकी का एस्ट्रो टर्फ है। उन्होंने यूनिवर्सिटी को विभिन्न खेल प्रस्ताव भेजने को कहा था। इसके लिए स्वीकृति खेल व युवक कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन और वर्ल्ड बैंक से देने की बात कही गई है। फिजिकल एजुकेशन के डायरेक्टर ने प्रस्ताव बनाकर यूनिवर्सिटी को भेज भी दिए है, जहां से यह आगे भेजे जाएंगे।

मल्टीपरपज हॉल में बैडमिंटन सहित कई खेल

यूनिवर्सिटी ने अब नेक की ए प्लस ग्रेड मिलने के बाद मुख्य रूप से छह प्रस्ताव तैयार किए है, जो शासन और खेल व युवक विभाग को भेजे जाएंगे। इसमें दो मुख्य प्रस्ताव खेल मंत्रालय की पुरानी योजना के दूसरे चरण वाले ही है, जो पूरे नहीं हो पाए है। पहला प्रस्ताव कुछ खेलों के लिए स्पेशलाइज्ड इनडोर हॉल बनाने का है। इस पर करीब 13 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसमें प्रमुख रूप से बैडमिंटन और टेबल-टेनिस शामिल है। 60 बॉय 40 मीटर के इस बड़े हॉल में पांच कूडन बैडमिंटन कोर्ट बनाने की योजना है, जिसमें इंटरनेशनल लेवल के हव्वा सिंथेटिक कोर्ट लगाए जाएंगे। इसके साथ ही टेबल टेनिस के लिए भी कूडन सरफेस, कुश्ती की प्रैक्टिस के लिए स्तरीय गद्दे और जूडो व ताइक्वांडो के लिए भी सुविधाएं जुटाई जाएगी।

हॉकी, कबड्डी, खो-खो से लेकर टेनिस तक

दूसरा प्रस्ताव इंटरनेशनल स्तर के हॉकी के एस्ट्रो टर्फ का है। इसका खर्च आठ करोड़ रुपए आने की संभावना है। यह शहर का पहला एस्ट्रो टर्फ होगा, जिससे हॉकी खिलाड़ियों और क्लबों को भी फायदा होगा। 50 लाख रुपए की लागत से खो-खो व कबड्डी के लिए एक छोटा इनडोर हॉल बनाने की योजना है। इसमें मेट रहेगी, जो खो-खो और कबड्डी दोनों के लिए काम आएगी। चौथा प्रस्ताव सिंथेटिक टेनिस कोर्ट का है। चार सिंथेटिक कोर्ट के साथ इसमें फ्लड लाइड भी लगाई जाएगी, ताकि रात में भी खेल हो सके। दो अन्य प्रस्ताव नई इंडोर शूटिंग रेंज और हैंडबॉल के वर्तमान ग्राउंड में फ्लड लाइट लगाने के है। इस प्रकार यह पूरे प्रस्ताव करीब छह करोड़ रुपए की लागत से बनाए जाएंगे।

वर्तमान हॉल की हालत सुधारेंगे

अगर यह प्रस्ताव स्वीकृत होकर यूनिवर्सिटी को सुविधाएं मिल जाती है तो यह प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी हो जाएगी, जहां पर इंटरनेशनल स्तर की सारी सुविधाएं मौजूद रहेगी। इसके साथ ही इनकी गणना देश की सर्वश्रेष्ठ खेल सुविधाएं देने वाली यूनिवर्सिटीज में भी हो जाएगी। नई सुविधा आने के बाद वर्तमान इनडोर जिम्नेशियम हॉल को भी सुधारने की प्रक्रिया आरंभ की जाएगी। इसे प्रैक्टिस और अन्य खेलों के इनडोर हॉल के रूप में विकसित किया जाएगा। इंटरनेशनल खेलों को आयोजित करने के लिए सपोर्टिंग और प्रैक्टिस ग्राउंड की आवश्यकता होती है। यह यूनिवर्सिटी में पुराने हॉल को रिनोवेट करवाने के बाद दिए जा सकेंगे।

कई खेल सुविधाएं हैं मौजूद

वर्तमान में यूनिवर्सिटी के पास वर्ल्ड क्लास का सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक है जिसमें न केवल रेस बल्कि लांग जम्प, हाई जम्प, जेवलिंग थ्रो, डिस्कस थ्रो आदि खेलों के लिए भी सुविधा है। इसके साथ ही क्रिकेट ग्राउंड, हॉकी ग्राउंड, फुटबॉल व हैंडबाल ग्राउंड की सुविधा भी है। वर्तमान हॉल 1989 में करीब 50 लाख रुपए की लागत से बना था। इसके बाद यूनिवर्सिटी ने डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से वालीबॉल ग्राउंड और छह करोड़ रुपए की योजना के माध्यम से क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी ग्राउंड, एथलेटिक्स ट्रैक बने है। फिर साढ़े दस करोड़ रुपए की लागत से सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक बना है।

...तो हम वर्ल्ड क्लास

खेल मंत्री के निर्देश के बाद हमने छह प्रस्ताव बनाए है। इसे हमने यूनिवर्सिटी को भेज दिया है। वहां से स्वीकृति के बाद इन्हें भोपाल भेजा जाएगा। अगर यह स्वीकृत हो जाते है तो हम वर्ल्ड क्लास यूनिवर्सिटीज में शामिल हो सकते है। -डॉ. सुनील दुधाले, डायरेक्टर, फिजिकल एजुकेशन, देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी